सत्यमेव जयते

# प्रधान मंत्री
# Prime Minister

## संदेश

विद्यार्थियों को उत्तम शिक्षा व उच्च संस्कार देते हुए राष्ट्र निर्माण में जुटे सभी गुरूजनों, आचार्यों व अध्यापकों को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। एक शिक्षक के रूप में विशिष्ट योगदान देने वाले डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर देश का भविष्य संवारने में जुटे सभी शिक्षकों का मैं अभिनंदन करता हूं।

भारत की संस्कृति और संस्कारों में गुरू का स्थान सर्वोच्च माना गया है। अपनी वाणी से जन-जन का जीवन आलोकित करने वाले कबीर दास जी ने कहा है:-

*सब धरती कागद करूँ, लेखनी सब बनराय।*
*सात समुद्र की मसि करूँ, गुरू गुण लिखा न जाय॥*

अर्थात् गुरू के गुण इतने अनंत और महान हैं कि पूरी धरती को कागज, जंगल को कलम और समुद्र को स्याही बना लें, तब भी गुरू के गुणों को लिखा नहीं जा सकता।

तेजी से बदलते देश और दुनिया की आवश्यकताओं के अनुरूप राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक दूरदर्शी और युगानुकूल पहल है। 21वीं सदी में हमारे विद्यार्थियों में रचनात्मकता, शोध प्रवृत्ति व डिजिटल दक्षता बढ़ाने के साथ ही यह नीति मातृभाषा में शिक्षा और भारत की समृद्ध विरासत से जुड़ाव पर विशेष बल देती है।

इस नीति के क्रियान्वयन में हमारे शिक्षकों की भूमिका सबसे अहम् है। शिक्षक केवल ज्ञान के स्रोत नहीं बल्कि विद्यार्थियों में मूल्यों का संचार करते हुए उन्हें देश का जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं।

अमृत काल में हम एक भव्य व विकसित भारत के निर्माण की दिशा में अग्रसर है। इस कर्तव्य काल में हमारे शिक्षक देश को ज्ञान-शक्ति सम्पन्न राष्ट्र बनाने में बड़ी भूमिका निभाएंगे।

शिक्षा-जगत से जुड़े सभी लोगों को उनके समर्पण, तप और प्रेरणा के लिए नमन व शिक्षक दिवस की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

**(नरेन्द्र मोदी)**

नई दिल्ली
भाद्रपद 10, शक संवत् 1947
01 सितम्बर, 2025